National Seminar [Hybrid Mode] on "Teacher Education and Professional Development: A NEP 2020 Perspective" Dt. 21 & 22 Feb 2025 With e-ISSN 2394-8426 & International Impact Factor 8.357
DOI link - https://doi.org/10.69758/GIMRJ/2501I02S01V13P0031

शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों में अंधविश्वासी व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ प्रेमशंकर
क्रीड़ाधिकारी
श्रीमती प्रमिला गोकुलदास डागा महिला महाविद्यालय रायपुर छ.ग.

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों में अंधविश्वासी व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन करना है । अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य से अंतरमहाविद्यालयीन खेल स्पर्धा में भाग लेने वाले शहरी क्षेत्र के 50 खिलाड़ियों को चुना गया । अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये छत्तीसगढ़ राज्य से अंतरमहाविद्यालयीन खेल स्पर्धा में भाग लेने वाले ग्रामीण क्षेत्र के 50 खिलाड़ियों को चुना गया । दुबे तथा दीक्षित (2011) के द्वारा बनायी गयी अंधविश्वास मापनी की प्रयोग आंकड़ों के संकलन के लिये किया गया । परिणामों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के अंतरमहाविद्यालयीन खिलाड़ियों में अंधविश्वासी व्यवहार, शहरी क्षेत्र के खिलाड़ियों की तुलना में सार्थक स्तर पर अधिक पाया गया । निष्कर्षानुसार शहरी–ग्रामीण परिवेश का प्रभाव खिलाड़ियों में अंधविश्वासी व्यवहार पर सार्थक रूप से पड़ता है ।

संकेत शब्द : अंधविश्वासी व्यवहार, शहरी–ग्रामीण परिवेशए अंतरमहाविद्यालयीन खिलाड़ी

प्रस्तावना :

विश्व में निवासरत् विभिन्न समुदायों में अंधविश्वासी व्यवहार विद्यमान हैं । टलेम ;2013द्ध के अनुसार अंधविश्वासपूर्ण व्यवहार किसी कार्य के संपन्न होने की अनिश्चितता होने के कारण उत्पन्न होता है ।ॅवउंबा ;1992द्ध के अनुसार अंधविश्वास के कारण वह व्यवहार बारंबार करता है जो कि उसके अनुसार उसे सफलता प्राप्त करने में सहायक होगा ।ैबीपचचमते ंदक टंद स्ंदहम ;2006द्ध के अनुसार यद्यपि मैच के दौरान की गयी क्रियाओं का मैच के नतीजों पर प्रभाव नहीं पड़ता है परन्तु यह अंधविश्वासी व्यवहार खिलाड़ी को यह विश्वास दिलाते हैं कि उसे सफलता अवश्य मिलेगी । अतः अंधविश्वासी व्यवहार का अर्थ है ऐसा व्यवहार जो तर्क और बिना किसी वैज्ञानिक तथ्य के केवल विश्वास या पारंपरिक मान्यताओं के कारण किया जाता है । अंधविश्वासी व्यवहार में व्यक्ति यह महसूस करता है कि कुछ विशेष कार्य करने या बोलने से उसे जीवन में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं जबकि इसका जीवन की वास्तविकता से कोई भी संबंध नहीं होता है । खेल के क्षेत्र में भी सफल होने के लिये खिलाड़ी शारीरिक, मानसिक तथा तकनीकी प्रशिक्षण लेते हैं परन्तु कुछ खिलाड़ियों की मान्यता होती है कि विशेष प्रकार के व्यवहार से उन्हें स्फलता प्राप्त होगी । उदाहरण के लिये कुछ खिलाड़ी जेब में लाल रूमाल रखते हैं या फिर दायां पैर रखकर ही मैदान में प्रवेश करते हैं । इस प्रकार खिलाड़ियों का यह मानना होता है कि उनकी जीत या हार की प्रत्याशा में किसी विशेष वस्तु या रंग या क्रिया की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । अंधविश्वास वास्तव में खिलाड़ियों की मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया से जुड़ा होता है जिसका उपयोग खिलाड़ी प्रतिस्पर्धात्मक मैच में होने वाली अनिश्चितता या तनाव को दूर करने के लिये करते हैं क्योंकि खिलाड़ियों को यह लगता है कि ये व्यवहार उन्हें आत्म विश्वास प्रदान करते हैं । परन्तु खेल मनोवैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि अंधविश्वास पर बहुत अधिक मानसिक निर्भरता खेल प्रदर्शन में बाधक भी हो सकती है । खेल के केन्द्रीय मापदंडों में परिणाम के प्रति अनिश्चितता प्रमुख है ;ळनजजउंददए 1978द्ध। अतः इसमें आश्चर्य नहीं है कि खिलाड़ी अंधविश्वासी हो सकते हैं । जब दो टीम एक समान योग्यता की होती हैं तो खिलाड़ियों में स्पर्धात्मक तनाव भी अधिक होता है तथा खेल के परिणाम की अनिश्चतता अंधविश्वासपूर्ण व्यवहार उत्पन्न करती है । अतः यह जानना आवश्यक है खिलाड़ियों में होने वाले अंधविश्वासी व्यवहार को कौन से घटक प्रभावित करते हैं । इस संदर्भ में शहरी–ग्रामीण परिवेश की खिलाड़ियों मे विद्यमान अंधविश्वासी व्यवहार में भूमिका का अवलोकन करना आवश्यक है क्योंकि शहरी–ग्रामीण परिवेश में मान्य परंपराओं, मान्यताओं तथा परिपाटियों में भिन्नता होती है जो कि शहरी तथा ग्रामीण परिवेश के खिलाड़ियों में अंधविश्वासी व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं परन्तु इस संबंध में वैज्ञानिक अध्ययन नहीं किये गये हैं, अतः प्रस्तुत अध्ययन में शहरी तथा ग्रामीण अंतरमहाविद्यालयीन खिलाड़ियों में अंधविश्वासी व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है ।

संबंधित साहित्य का अध्ययन :

del Rosario (2017) के अनुसार खिलाड़ी खेल के दौरान होने वाली अप्रिय तथा अनहोनी घटनाओं को काबू में करने तथा चोट से बचने के लिये भी अंधविश्वासी व्यवहार का प्रयोग करते हैं ।

Katerina et al. (2017) ने अंधविश्वास तथा खेलों में मिलने वाले लाभ का अंध्ययन किया । परिणाम के अनुसार यह आवश्यक नहीं है कि अंधविश्वासी व्यवहार से स्पर्धात्मक चिंता नियंत्रित होती है तथा खिलाड़ियों में आत्म विश्वास भी बढ़ता है ।

Yadav and Agashe (2018) ने राष्ट्रीय स्तर के समूह खेल के पदक विजेता खिलाड़ियों में अंधविश्वास की संभवता का आंकलन किया । परिणाम के अनुसार 78: पुरुष खिलाडियों में अंधविश्वास का प्रमाण बहुत अधिक था । निष्कर्षतः राष्ट्रीय स्तर के समूह खेल के पदक विजेता खिलाड़ियों में अंधविश्वास का प्रमाण बहुत अधिक पाया गया ।

Yadav and Agashe (2018) ने राष्ट्रीय स्तर की पदक विजेता महिला खिलाड़ियों पर किये गये अध्ययन से यह पाया कि 82: महिला खिलाड़ी किसी न किसी अंधविश्वासी व्यवहार का उपयोग करती थीं तथा उनका यह मानना था कि यह अंधविश्वासी व्यवहार खेल स्पर्धा में उन्हें आत्म विश्वास प्रदान करता है ।

Gupta and Dutt (2019) ने 90 अंतरमहाविद्यालयीन खिलाड़ियों में अंधविश्वास तथा उसके पीछे के कारकों का आंकलन किया । परिणाम के अनुसार समूह खेल में अंधविश्वास का मुख्य कारण साथी खिलाड़ियों द्वारा उपयोग किये जा रहे अंधविश्वासी व्यवहार तथा पारिवारिक मान्यताएँ थीं जबकि महिला खिलाड़ियों में कलाई में विशेष प्रकार का धागा या कपड़ा बांधना, एक ही स्कर्ट को बार–बार पहनना या परिवार के बुर्जुग द्वारा दिये गये स्कार्फ को बांधना जैसे अंधविश्वास प्रचलित थे ।

Allen et al. (2020) ने पुरुष मुक्केबाजों में अंधविश्वासी व्यवहार का गुणात्मक आंकलन किया । यह अध्ययन ब्रिटेन के 05 मुक्केबाजों पर किया गया । इस अध्ययन का शीर्षक मेरे बैग को हाथ मत लगाओ था । गुणात्मक विश्लेषण के अनुसार मुक्केबाजों में इस अंधविश्वास का कारण सफलता की प्रत्याक्षा, घटनाओं पर स्वनियंत्रण की भावना एवं मानसिक तैयारी शामिल थे जो कि अच्छे भाग्य को लाने के लिये किया गया कार्य था । मुक्केबाज का मानना था कि विशेष प्रकार के व्यवहार से उन्हें मनोवैज्ञानिक दबाव से जूझने में सहायता मिलती है ।

Mukherjee and Shaikh (2022) के अध्ययन के अनुसार पुरुष एथलिट्स द्वारा खेल में सफलता प्राप्त करने के लिये अंधविश्वासी व्यवहार का प्रयोग महिला एथलिट्स की तुलना में सार्थक स्तर पर अधिक किया जाता है ।

अध्ययन का उद्देश्य :

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों में अंधविश्वासी व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन करना है ।

परिकल्पना :

H_{01} शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के अंतरमहाविद्यालयीन खिलाड़ियों के मध्य अंधविश्वासी व्यवहार में सार्थक भिन्नता नहीं पायी जायेगा ।

अध्ययन पद्धति :

न्यादर्श :

अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य से अंतरमहाविद्यालयीन खेल स्पर्धा में भाग लेने वाले शहरी क्षेत्र के 50 खिलाड़ियों को चुना गया । अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये छत्तीसगढ़ राज्य से अंतरमहाविद्यालयीन खेल स्पर्धा में भाग लेने वाले ग्रामीण क्षेत्र के 50 खिलाड़ियों को चुना गया । न्यादर्श चयन के लिये स्तरीकृत नमूना पद्धति का उपयोग किया गया ।

परीक्षण विधि :

अंधविश्वास व्यवहार मापनी :

दुबे तथा दीक्षित (2011) के द्वारा बनायी गयी अंधविश्वास मापनी की प्रयोग आंकड़ों के संकलन के लिये किया गया । इस मापनी में कुल 40 कथन ;जंजमउमदजद्ध हैं तथा प्रत्येक प्रश्न के तीन संभावित उत्तर हैं । यह प्रश्नावली पूर्णतया वैध एवं विश्वसनीय है ।

प्रक्रिया :

अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य से अंतरमहाविद्यालयीन खेल स्पर्धा में भाग लेने वाले शहरी क्षेत्र के 50 खिलाड़ियों तथा ग्रामीण क्षेत्र के 50 अंतरमहाविद्यालयीन खिलाड़ियों को चुना गया । दुबे तथा दीक्षित (2011) के द्वारा बनायी गयी अंधविश्वास मापनी का प्रशासन कर खिलाड़ियों की प्रतिक्रियाओं को मूल्यांकित किया गया । आंकड़ों को एक्सेल शीट पर टंकित कर सांख्यिकीय विश्लेषण कर परिणाम निकाले गये ।

परिणाम :

तालिका 1
शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के अंतरमहाविद्यालयीन खिलाड़ियों में अंधविश्वासी व्यवहार की तुलना

चर	शहरी क्षेत्र के खिलाड़ी (N=50)		ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी (N=50)		't'
	Mean	S.D.	Mean	S.D.	
अंधविश्वासी व्यवहार	82.04	16.85	90.40	14.90	2.62, p<.01

तालिका 1 के अनुसार शहरी क्षेत्र के खिलाड़ियों का अंधविश्वास मापनी पर डमंदत्र82ण्04 था तथा ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों का अंधविश्वास मापनी पर डमंदत्र90ण्40 था जिसके अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों में अंधविश्वासी व्यवहार, शहरी क्षेत्र के खिलाड़ियों से सार्थक स्तर पर अधिक पाया गया । गणना किये गये जत्र2ण्62 से भी इस परिणाम की 0.01 के सार्थकता स्तर पर पुष्टि होती है ।

परिणामों पर चर्चा :

अध्ययन में ग्रामीण खिलाड़ियों में अंधविश्वासी व्यवहार शहरी खिलाड़ियों से अधिक पाया गया जिसका कारण अनेक सामाजिक–सांस्कृतिक मान्यताओं तथा मनोविज्ञान से जुड़ा है । ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक मान्यताओं और सांस्कृतिक मान्यताओं को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है जो खिलाड़ियों की मानसिकता को प्रभावित करता है और उन्हें खेलों में सफलता के लिये अंधविश्वासी व्यवहार अपनाने के लिये प्रेरित करता है जबकि इसके विपरीत शहरी क्षेत्र के खिलाड़ियों को खेल संबंधी प्रशिक्षण एवं सुविधाएँ अधिक मिलती हैं जिससे उनमें अंधविश्वास पर निर्भरता कम हो जाती है तथा वह खेलों में सफलता के लिये वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं ।

निष्कर्ष :

निष्कर्षानुसार शहरी–ग्रामीण परिवेश का प्रभाव खिलाड़ियों में अंधविश्वासी व्यवहार पर सार्थक रूप से पड़ता है तथा ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों में अंधविश्वासी व्यवहार, शहरी क्षेत्र के खिलाड़ियों की तुलना में अधिक पाया जाता है ।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

Allen, G., Thorton, C. and Riby, H. (2020). "Don't Touch My Bag": The Role of Superstition in Professional Male Boxing. Human Kinetics, 34(I).

del Rosario, Danyel, "Superstition in Sport: A Phenomenological Study" (2017). Ithaca College Theses. 393. https://digitalcommons. ithaca.edu/ ic_theses/393.

Gupta, B. and Dutt, S. (2019). Superstitious Behaviour in Sportspersons in Relation to Their Performance at Intercollegiate Level. Indian Journal of Mental Health; 6(2), 192-202.

Guttmann, A. (1978). From ritual to record: The nature of modern sports. New York: Columbia University Press.

Schippers, M. C, and Van Lange, P. A. (2006). The Psychological Benefits of Superstitious Rituals in Top Sport: A Study Among Top Sportspersons. Journal of Applied Social Psychology, 36{\Q), 2532-2553.

Vyse, S. (2013). Believing in magic: The psychology of superstition-updated edition. Oxford University Press.

Womack, M. (1992). Why athletes need ritual: A study of magic among professional athletes. In S. J. Hoffman (Ed.), Sport and religion (pp. 191-202). Champaign, IL: Human Kinetics Books.

Yadav S.K.S. (2017). Comparative study of emotional intelligence between sportsperson and non-sportsperson of Bilaspur. International Journal of Physical Education, Sports and Health; 4(3): 521-522.

Yadav, P.K. and Agashe, C.D. (2018). Assessment of superstition among national female players. Review of Research, Vol. 8, Issue 3, 1-3.